NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th

aglasem.com

Class : 7th

Subject : हिन्दी

Chapter : 9

Chapter Name : चिडिया की बच्ची

Q1 किन बातों से ज्ञात होता है कि माधव दास का जीवन संपन्नता से भरा था और किन बातों से ज्ञात होता है कि वह सुखी नहीं था?

Answer.

माधव दास की बड़ी कोठी, सुंदर बगीचा, रहने का ठाठ -बाट रईसों जैसा था।चिड़िया के साथ वार्तालाप में कहना कि तेरी सोने का पिंजरा बनवा दूँगा और मेरे पास सोना- मोती है और उसे माला-माल कर देने की बात कहता है। इसके अलावा वह स्वयं स्वीकार करता है । कि उसके पास कई कोठियां, बगीचे और नौकर- चाकर है। इन बातों से उसकी संपन्नता का पता चलता है ।इतना होते हुए भी वह सुखी नहीं था क्योंकि वह अकेला था।उसकी कोठी सुनसान थी। इसके अलावा अकेलेपन को दूर करने के लिए चिड़िया को हर प्रकार की सुविधा देकर अपने पास रखना चाहता था।

Page : 73 , Block Name : कहानी से

Q 2. माधवदास क्यों बार-बार चिड़िया से कहता है कि यह बगीचा तुम्हारा ही है? क्या माधवदास निस्वार्थ मन से ऐसा कह रहा था? स्पष्ट कीजिए।

Answer.

चिड़िया ने माधवदास का मन मोह लिया था,वह चिड़िया के आने से खुश था।वह उसे बहुत संदुर और प्यारी लगी।इस लिए वह चिड़िया से यह कह रहा था कि यह बगीचा तुम्हारा है वे इस खुशी के पल को अपने से दूर नहीं करना चाहता था ।माधवदास ने यह सब निःस्वार्थ भाव से नहीं अपनी खुशी के लिए चिड़िया से ऐसा कहा। वह चिड़िया को महल में पिंजरे में बंद करके ररवना चाहता था।ताकि अपनी इच्छा से उसकी सुंदरता को निहार सके और उसका चहचहाना सुन सके।

Page : 73 , Block Name : कहानी से

Q3 .माधव दास के बार-बार समझाने पर भी चिड़िया सोने के पिंजरे और सुख-सुविधा को कोई महत्व नहीं दे रही थी। दूसरी तरफ माधव दास की नजर में चिड़िया का जीत का कोई तुक न था ।माधवदास और चिड़िया के मनोभावों के अंदर क्या-क्या थे ? अपने शब्दों में लिखिए।

Answer.

माधवदास बार-बार चिड़ियों को सोने के पिंजरे वह सुख सुविधाओं का लालच देता है लेकिन चिड़िया इन बातों को कोई महत्व नहीं देती ,है उसे तो स्वचछंदता ही पसंद है ।उसे माधव दास के सुंदर बगीचे में

aglasem.com

रहना भी पसंद नहीं है ।वह अपने परिवार से भी अलग नहीं होना चाहती ।शाम होते ही उसे मां के पास जाने की जल्दी होती है ।क्योंकि वह इस संसार में केवल अपनी माँ को जानती है और उसकी गोदीके आगे दुनिया का हर सुख बेकार था और, बंधन में रहना उसका स्वभाव नहीं ।

दूसरी तरफ माधव दास की नजर में चिड़िया की जिद का कोई तुक न था वह केवल अपने बगीचे की शोभा बढ़ाने हेतु उस चिड़िया को पकड़ना चाहते थे । वह अपनी घन - दौलत को ही सब कुछ मानते थे ,पर वे अपनी दौलत से चिड़िया की आज़ादी और मन की खुशी न खरीद सके।

Page : 73 , Block Name : कहानी से

Q4. कहानी के अंत में नन्ही चिड़िया का सेठ के नौकर के पंजे से भाग निकलने की बात पढ़ कर तुम्हें कैसा लगा? चालीस-पचास या इससे कुछ अधिक शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया लिखिए।

Answer.
सेठ के नौकर के पंजे से नन्हीं चिड़िया का कहानी के अंत में भाग निकलने की बात पढ़कर मुझे बहुत अच्छा लगा क्योंकि अगर वो नौकर के हाथ में आ जाती तो सेठ उसे पिंजरे में बंद कर देता तो वह अपनी माँ से नहीं मिल पाती और चिड़िया की आज़ादी समाप्त हो जाती ।वह स्वतंत्र होकर आकाश में उड़ न पाती और वह पिंजरे में बंद होकर जीने में मजबूर हो जाती।
Page : 73 , Block Name : कहानी से

Q5 . 'मां मेरी बाट देखती - नन्ही चिड़िया बार-बार इसी बात को कहती है। आप अपने अनुभव के आधार पर बताइए कि हमारी जिंदगी में मां का क्या महत्व है?

Answer.

माँ का हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान हैं।माँ जैसा इस दुनिया में कोई नहीं होता ।वह हमारी सच्ची साथी होती है ।हमारे दुःख - सुःख में साथ देती है।उसकी गोद में सिर ररवकर ऐसा लगता है मानो संसार की सबसे बड़ी खुशी मिल गई हो। वह अपने बच्चों पर कोई मुसीबत नहीं आने देती, वह जीवन के हर मोड़ पर अपने बच्चों की ढाल बनकर रहती है।

Page : 73 , Block Name : कहानी से

Q6 इस कहानी का कोई और शीर्षक देना हो तो आप क्या देना चाहेंगे और क्यों?
Answer.
मेरे अनुसार इस कहानी का शीर्षक' नन्हीं चिड़िया ' होना चाहिए क्योंकि सारी कहानी इस नन्हीं चिड़िया के इर्द- गिर्द घूमती है।

Page : 73 , Block Name : कहानी से

Q1 इस कहानी में आपने देखा कि वह चिड़िया अपने घर से दूर आकर फिर भी अपने घोंसले तक वापस पहुंच जाती है ।मधुमक्खियों, चींटियों ,ग्रह- नक्षत्रों तथा प्रकृति की अन्य विभिन्न चीजों में हमें एक अनुशासनबद्धता देखने को मिलती है। इस तरह के स्वाभाविक अनुशासन का रूप आपको कहां - देखने को मिलता है ?उदाहरण देकर बताइए।

aglasem.com

Answer.

अनुशासन प्रकृति का स्वाभाविक नियम है। प्राकृतिक के अलग-अलग रूपों में हमें अनुशासन देखने को मिलता है-

1 सूर्य नियमित रूप से सुबह उदय होता है तथा शाम को अस्त होता है।

2 तारे रात को ही आसमान में दिखते है ।

3 पेङ अपनी जगह पर ही खड़े रहते हैं।

4 पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर नियमित समय पर लगाती है।

5 ऋतुऐं भी नियमानुसार ही आती तथा जाती है।

6. बच्चे निश्चित समय पर स्कूल जाते है और घर आते हैं।

Page : 73 , Block Name : कहानी से आगे ।

Q2 सोचकर लिखिए कि यदि सारी सुविधाएँ देकर एक कमरे मे आपको सारा दिन बंद रहने को कहा जाए तो क्या आप स्वीकार करेंगे? आपको अधिक प्रिय क्या होगा- 'स्वाधीनता' या 'प्रलोभनोंवाली पराधीनता'? ऐसा क्यों कहा जाता है कि पराधीन व्यक्ति को सपने में भी सुख नहीं मिल पाता।

Answer

सारी सुविधाएँ प्राप्त करके भी सारा दिन बंद कमरे में रहना हमें स्वीकार नहीं होगा। हमें सदा 'स्वाधीनता' ही अधिक प्रिय होगा न की 'प्रलोभनोंवाली पराधीनता' क्योंकि 'स्वाधीनता' का अर्थ है खुद की इच्छा के अनुसार कार्य करना।

Page : 74 , Block Name : कहानी से आगे

अनुमान और कल्पना

आपने गौर किया होगा कि मनुष्य, पशु, पक्षी- इन तीनों में ही माँएँ अपने बच्चों का पूरा-पूरा ध्यान रखती है। प्रकृति की इस अद्‌भुत देन का अवलोकन कर अपने शब्दों में लिखिए।

Answer.

'छात्र स्वंय करे'

Page : 74 , Block Name : अनुमान और कल्पना

भाषा की बात

Q1. पाठ में पर शब्द के तीन प्रकार के प्रयोग हुए हैं-

1 गुलाब की डाली <u>पर</u> एक चिड़िया आन बैठी।

2 कभी <u>पर</u> हिलाती थी।

aglasem.com

3 पर बच्ची कांप -काँपकर मां की छाती से और चिपक गई।

तीनों 'पर' के प्रयोग तीन उद्देश्य से हुए हैं। इन वाक्यों का आधार लेकर आप भी 'पर' का प्रयोग कर ऐसे तीन वाक्य बनाइए जिसमें अलग-अलग उद्देश्यों के लिए' पर' के प्रयोग हुए हो।

Answers:

1. मेज पर धूल जमी है ।

2. चिड़िया अपने पर फैला कर उड़ती है ।

3. पर तुमने अपना काम नहीं बताया ।

Page : 74 , Block Name : भाषा की बात

Q 2. पाठ में तैंने, छनभर, खुश करियो-तीन वाक्यांश ऐसे हैं जो खड़ीबोली हिंदी के वर्तमान रूप में तूने, क्षणभर, खुशकरना लिखे-बोले जाते हैं लेकिन हिंदी के निकट की बोलियों में कहीं-कहीं इनके प्रयोग होते हैं। इस तरह के कुछ अन्य शब्दों की खोज कीजिए।

Answer -

मन्नै- मैंने

कुण - कौन

पाणी - पानी

अइयो - आओ

जइयो - जाओ

करियो - करो।

Page : 74 , Block Name : भाषा की बात

aglasem.com